Ministry of Culture
Government of India

आज़ादी का अमृत महोत्सव

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

एशिया का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय साहित्य उत्सव 'उन्मेष' भोपाल में 3–6 अगस्त तक
महामहिम राष्ट्रपति द्वारा किया जाएगा उद्घाटन
75 कार्यक्रमों में शामिल होंगे 575 से अधिक लेखक
लगभग 100 भाषाओं का होगा प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली। 26 जुलाई 2023; एशिया के सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय साहित्य उत्सव 'उन्मेष' का आयोजन भारत के हृदय, मध्यप्रदेश के भोपाल शहर में 3–6 अगस्त 2023 को किया जा रहा है। इस बारे में जानकारी देते हुए साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय साहित्य उत्सव के साथ ही संगीत नाटक अकादेमी द्वारा 'उत्कर्ष' शीर्षक से लोक एवं जनजातीय प्रदर्शन कलाओं का राष्ट्रीय उत्सव भी आयोजित किया जा रहा है। इन दोनों समारोहों का उद्घाटन भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी द्वारा किया जाएगा। आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर आयोजित हो रहे इस उत्सव को साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन संयुक्त रूप से आयोजित कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय साहित्य उत्सव उन्मेष जो कि अभिव्यक्ति का उत्सव है, में 75 से अधिक कार्यक्रमों में लगभग 100 भाषाओं के 575 से अधिक लेखक सहभागिता कर रहे हैं। भारत के अतिरिक्त 13 अन्य देशों के लेखक भी उत्सव में शामिल होंगे।

ज्ञात हो कि 'उन्मेष' का यह दूसरा संस्करण है। पहला आयोजन गत वर्ष जून में शिमला में आयोजित किया गया था।

इस अंतरराष्ट्रीय साहित्य उत्सव में भाग ले रहे कुछ महत्त्वपूर्ण व्यक्तित्व हैं– केरल के माननीय राज्यपाल आरिफ़ मोहम्मद खान, छत्तीसगढ़ के माननीय राज्यपाल बिस्वा भूषण हरिचंदन, तेलंगाना राज्य की माननीय राज्यपाल तमिलिसाई सौंदराराजन, फिजी के भारत में राजदूत कमलेश शशि प्रकाश, एस.एल. भैरप्पा, शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित, वी. कामकोटि, चंद्रशेखर कंबार,, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, संजय रॉय, जयंत महापात्र, ऑस्कर पुयोल, तुलसी दिवस, एम.ए. आलवार, सुरेश गोयल, गिरीश्वर मिश्र, चित्रा दिवाकारुणी, विष्णु दत्त राकेश, रमेश पोखरियाल 'निशंक', लिंडा हेस, मामि यामदा, अमीश त्रिपाठी, सोनल मानसिंह, चित्रा मुद्गल, रघुवीर चौधरी, विनय सहस्रबुद्धे, ममता कालिया, महेश दत्तानी, वामन केंद्रे, प्रयाग शुक्ल, सुरजीत पातर, नवतेज सरना, विश्वास पाटिल, नमिता गोखले, महेंद्र कुमार मिश्र, शीन काफ़ निज़ाम, वासमल्ली के. अरुण कमल, गोविंद मिश्र, लीलाधर जगूड़ी और उषा किरण खान आदि।

इस अंतरराष्ट्रीय साहित्य उत्सव में, कविता और कहानी पाठ के अलावा, भारतीय काव्यशास्त्र, भारतीय भक्ति साहित्य, सागर साहित्य, भारत की सांस्कृतिक विरासत, भारतीय नाटकों में अलगाव का सिद्धांत, विविधता में एकता, भारत की सौम्य शक्ति, सिनेमा और साहित्य, विदेशी भाषाओं में भारतीय साहित्य का प्रचार–प्रसार, चिकित्सकों का साहित्य, साहित्य एवं प्रकृति, मशीनों का उदय – लेखकविहीन साहित्य?, रचनात्मकता बढ़ाने वाली शिक्षा, अनुवाद, प्रगति का संचालक और आलोचनात्मक विचार, योग साहित्य, मातृभाषाओं का महत्त्व, फंतासी और विज्ञान कथासाहित्य, ई–साहित्य, नारीवाद और साहित्य, आदिवासी लेखन और हाशिये का स्वर – उत्पीड़ितों का उत्थान जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों पर परिचर्चा और विचार–विमर्श होगा।

उत्सव के दौरान साहित्य अकादेमी की पुस्तकें आकर्षक छूट पर बिक्री के लिए उपलब्ध होंगी।

(के. श्रीनिवासराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in